SHORT NOTICE QUESTION

Bank robberies

2. SHRI ABU ASIM AZMI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether a new procedure to loot the banks as human bombs has been introduced in the country as happened in the capital on 8th May, 2006;

(b) if so, the number of cases against which the banks were looted in the country during the last six months as robberies and human bombs;

(c) if so, the details, if any, of case which found the actual faulters and action being taken against them; and

(d) for how long such new procedures of looting the banks shall be allowed to continue and by when the banks are expected to be protected places?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) A case of robbing the branch of UTI bank at Vikas Puri in West Delhi to the tune of Rs. 40 Lacs by a person alleged to be a human bomb on 8.5.2006 has been reported to Reserve Bank of India. RBI has not come across any earlier attempt to rob a bank by a person purporting to be human bomb. However, 27 cases of robbery of different kinds were reported to RBI by banks during the last six months.

(c) and (d) In the case of robbery in UTI bank, the bank has lodged an FIR with the police. Security arrangements at bank branches are primarily the responsibility of each bank. The strength of security personnel at each branch is dependent on security threat perception depending on the prevailing law and order situation, area specific issues, vulnerability of the branch etc. RBI stipulates deployment of armed police guards in so far as currency chest branches are concerned. At other branches, ATMs etc., the banks can devise their own arrangements with the approval of their respective Boards.

The security measures implemented by public sector banks are reviewed in State level security committee meetings convened periodically by RBI. The meetings are required to be attended by the bankers and State Govt. officials including Senior Police officials. The Committee takes stock of the security environment in the State and requisite instructions are given to the banks. Indian Banks Association has issued detailed guidelines in the form of a report called "Report of the working group to review security arrangements in banks". The report provides measures for assessing the risk faced by a branch and thereby determining the number of security guards required for guarding it. Banks have classified their branches depending on the risk factors involved and posted armed guards and installed anti-burglary/robbery devices etc. wherever necessary. Apart from other security equipment, alarm systems, Time lock devices and CC TV system have also been provided towards security arrangements at the branches.

RBI has forwarded a copy of News Item containing robbery of UTI bank to Indian Banks' Association and advised them to consider circulating the modus operandi adopted by the miscreant among its member banks so that the banks take all possible steps to abort any such future attempts.

श्री अबू आसिम आजमी: सर, आपने मुझे यह प्रश्न पूछने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। सर, 8 मई, 2006 को विकास पुरी, जे ब्लॉक, दिल्ली के अन्दर यूटीआई बैंक में बड़े अजीबोगरीब तरीके से 40 लाख रुपये लूटे गए। खुद को इन्सानी बम बता कर, मैनेजर से रुपया मंगवाकर, बैंक के चपरासियों के जरिए थैलों में पैसे भरवाकर, आराम से पूरे बैंक के स्टाफ के जरिए सब गाड़ी में रखवा दिया गया और फिर वह चला गया। उस समय वहां पर चार सेक्योरिटी गार्ड, 35 स्टाफ के लोग और कम से कम 150 अन्य लोग मौजूद थे। इस तरह से दिन के उजाले में वह व्यक्ति सब रकम लेकर चला गया। मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि बैंकों में सेक्योरिटी के लिए कुछ नये तरह के हथियार देने या बैंकों की सेक्योरिटी को और अधिक चुस्त करने का क्या सरकार का कोई इरादा है या नहीं? यह प्रश्न करने का मुझे स्पेशल आदेश मिला है, इसका 12.00 बजे तक के क्वेश्चन आवर से कोई मतलब नहीं है।

†[ ] **شری ابوعاصم اعظمی :** سر، آپ نے مجھے یہ سوال پوچھنے کا موقع دیا، اس کے لئے دھنیواد۔ سر، ۸ مئی ۲۰۰۶ء کو وکاس پوری، جے بلاک، دہلی کے اندر یوٹی آئی بینک میں بڑے عجیب وغریب طریقے سے ۴۰ لاکھ روپے لوٹے گئے۔ خود کو انسانی بم بتا کر، منیجر سے روپے منگا کر، بینک کے چپراسیوں کے ذریعہ تھیلوں میں پیسے بھروا کر، آرام سے پورے بینک کے اسٹاف کے ذریعے سب گاڑی میں رکھوا دیا گیا اور پھر وہ چلا گیا۔ اس

†[ ] Transliteration in Urdu Script.

وقت وہاں پر چار سیکورٹی گارڈ، ۳۵ اسٹاف کے لوگ اور کم سے کم ۱۵۰ دوسرے لوگ موجود تھے۔ اس طرح سے دن کے اجالے میں وہ شخص سب رقم لیکر چلا گیا۔ میں سرکار سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ بینکوں میں سیکورٹی کے لئے کچھ نئے طرح کے ہتھیار دینے یا بینکوں کی سیکورٹی کو اور ادھک چست کرنے کا کیا سرکار کا کوئی ارادہ ہے یا نہیں؟ یہ سوال کرنے کا مجھے اسپیشل آدیش ملا ہے، اس کا 12.00 تک کے کوئشچن آور سے کوئی مطالبہ نہیں ہے۔ †

श्री सभापति: आपने कोई सप्लीमेंटरी करना है तो पूछिए नहीं तो बैठ जाइए।

एक माननीय सदस्य: क्या आप उत्तर से सैटिस्फाइड हैं?

श्री अबू आसिम आज़मी: नहीं, मैं सैटिस्फाइड नहीं हूं, मैं तो इनसे उत्तर पूछ रहा हूं। जो मैंने पूछा है, आप पहले मुझे मेरे प्रथम प्रश्न का जवाब दे दीजिए।

† [**شری ابوعاصم اعظمی:** نہیں، میں سیٹسفائیڈ نہیں ہوں، میں تو ان سے جواب پوچھ رہا ہوں۔ جو میں نے پوچھا ہے، آپ پہلے مجھے میرے پرتھم پرشن کا جواب دے دیجئے۔]

श्री पवन कुमार बंसल: मैंने स्टेटमेंट ले कर दिया है, अब आप सप्लीमेंटरी क्वेश्चन पूछिए।

श्री अबू आसिम आज़मी: अभी मैंने आपसे सप्लीमेंटरी पूछा है ना। सभापति जी, मैं फिर से अपनी बात को दोहरा रहा हूं कि 8 मई को विकास पुरी, जे ब्लॉक, दिल्ली के अन्दर यूटीआई बैंक में बड़े अजीबोगरीब तरीके से खुद को ह्यूमेन बॉम्ब बता कर, मैनेजर के कैबिन में जाकर, स्टाफ के जरिए झोला मंगाकर, उसमें पैसे भरवाकर और स्टाफ की मदद से पैसा गाड़ी में रखवा कर उसे आराम से भेज दिया गया। क्या सरकार इस तरह के वाक्यात को रोकने के लिए, सेक्योरिटी में जो लैप्स हैं, उन्हें ठीक करने के लिए बैंकों को अच्छे तरीके के हथियार देकर ऐसी चीजों को रोकने के लिए कुछ कठोर कदम उठा रही है या नहीं।

† [**شری ابوعاصم اعظمی:** ابھی میں نے آپ سے سپلمنٹری پوچھا ہے نا۔ سبھاپتی جی، میں پھر سے اپنی بات کو دوہرا رہا ہوں کہ ۸ مئی کو وکاس پوری، جے بلاک، دہلی کے اندر یوٹی آئی بینک میں بڑے عجیب وغریب طریقے سے خود کو ہیومن بم بتا کر، منیجر کے کیبن میں جا کر، اسٹاف کے ذریعے جھولا منگا کر، اس میں پیسے بھروا کر اور اسٹاف کی مدد سے پیسہ گاڑی میں رکھوا کر اسے آرام سے بھیج دیا گیا۔ کیا سرکار اس طرح کے واقعات کو روکنے کے لئے، سیکورٹی میں جو لیپس ہیں، انہیں ٹھیک کرنے کے لئے بینکوں کو اچھے طریقے کے ہتھیار دیکر ایسی چیزوں کو روکنے کے لئے کچھ کٹھور قدم اٹھا رہی ہے یا نہیں۔]

† [ ] Transliteration in Urdu Script.

श्री पवन कुमार बंसल: सर, यह कहना वाजिब नहीं होगा कि वहां के स्टाफ की तरफ से उसे बिल्कुल इज्जत के साथ बिठा कर भेज दिया गया। जैसा कि माननीय सदस्य जानते हैं कि 8 मई, 2006 को विकास पुरी के यूटीआई बैंक में एक आदमी पहुंचा था। पहले वह लाइन में खड़ा था, उसके बाद हैड कैबिन में जाकर जब उसने यह बताया कि वह एक ह्यूमेन बॉम्ब है और वहां पर उसके और भी लोग हैं तो पहले उन्होंने उसे नीचे ले जाकर दिखाया तो वॉल्ट खाली था, लेकिन बाद में जब उसने फिर इन्सिस्ट किया तो उस समय के हिसाब से वह एक्शन वाजिब बनता था। जिस बात का अभी इन्होंने जिक्र किया है कि सेक्योरिटी के लिए क्या प्रावधान हैं, मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि आईबीए समय-समय पर इस पर मीटिंग करता है और समीक्षा करने के बाद बैंकों को बताया जाता है कि अपनी-अपनी जरूरत के मुताबिक, जहां वे जितनी सेक्योरिटी ठीक समझें, उसे लगाएं इसके लिए गाइडलाइन्स भी हैं, एक एक्सपर्ट कमेटी ग्रुप भी बनाया गया है, उसी की गाइडलाइन्स के हिसाब से यह सब तय किया जाता है।

श्री अबू आसिम आज़मी: सर, मैं सरकार से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार बैंकों में कंप्यूटराइज्ड एंट्री पास का बंदोबस्त करने का कुछ इरादा रखती है? दूसरा, अब तक बैंक लूटने वाले कितने लुटेरों को सरकार ने पकड़ा है और किस तरह की सजाएं दी हैं, साथ ही उनसे लूटा हुआ कितना रुपया वापिस आ सका है?

†[**شری ابوعاصم اعظمی:** سر، میں سرکار سے یہ بھی پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا سرکار بینکوں میں کمپیوٹرائزڈ اینٹری پاس کا بندوبست کرنے کا کچھ ارادہ رکھتی ہے؟ دوسرا، اب تک بینک لوٹنے والے کتنے لٹیروں کو سرکار نے پکڑا ہے اور کس طرح کی سزائیں دی ہیں، ساتھ ہی ان سے لوٹا ہوا کتنا روپیہ واپس آسکا ہے؟]

श्री पवन कुमार बंसल: सर, एन्ट्री तो कंप्यूटराइज्ड नहीं है, लेकिन यह देखने के लिए अन्दर सभी गैजेट्स हैं, शॉर्ट सर्किट टेलिविजन्स हैं एवं अन्य चीजें भी हैं, जिनके जरिए उनको यह पता लग सकता है कि वहां क्या हो रहा है।

आज तक ह्यूमेन बॉम्ब का यह महज एक ही केस हुआ है, न इससे पहले और न ही इसके बाद ऐसा कोई केस रिपोर्ट हुआ है। पिछले छ: महीने में पूरे हिन्दुस्तान में बैंक लूटने के 27 केस हुए हैं और उसके लिए उचित प्रावधान भी किए गए हैं। जैसा कि इन्होंने कहा उससे पहले दो वर्षों में कितने ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: बहुत केस हैं, अब आप छोड़िए।

† [ ] Transliteration in Urdu Script.